कर्माक 350-ज-(II)-84/9134 की मंगला राम, पूछ की डेडा राम, गांव मुन्हिया खेड़ा, सहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 4 सितम्बर, 1979, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरूसकार किसिन्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मंगला राम की मुन्तिग 150 कपये वार्षिक की धारीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3100-आर-4-67/2634, दिनांक 2 अगस्त, 1967 तथा क्रियूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा खीमती सदा कोर के नाम रवी, 80 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्यंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 118-ज(I)-84/9138.—श्री ग्रासा सिंह, पुत्र श्री रोड़ा सिंह, गांव राजपुरा, तहसील जगाधरी जिला ग्रम्बाला की दिमांक 13 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री श्रासा सिंह की मुक्लिंग 300 क्यये शाविक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्रमांक 865-ज-I-79/24133, दिनांक 4 जून, 1979 स्था श्रिष्ट्यंना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, भव उसकी विधवा श्रीमती हाकम कीर के नाम खरीव, 1981 से 300 क्यये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रन्तगैत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 अप्रैल, 1984

कमांक 332—ज(II)—84/9658.—श्री रती राम, पुत्र श्री हरी चन्द, गांव रेनकपुरा (श्रव श्राजादगढ़), तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 10 दिसम्बर, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें श्राष्ठ तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v) (1v) तथा 3(1v) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रती राम की मुबलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना कमांक 87—ज.—(II)—71/29314, दिनांक 24 सितम्बर, 1971, तथा ग्रधिसूचना कमांक 1789—ज-I—79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूवर, 1979 हारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती मेहर कौर के माम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगत प्रदान करते हैं।

कमांक 362-ज-(I)-84/9677.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सोपे अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री तेलू राम, पुत्न श्री नत्यू राम, गांव मुलाना पोस्ट आफिस मुलाना, तहसील व जिला अम्बाला को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150/- रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मुद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहसं प्रदान करते हैं।

कमांक 392-ज-(II)-84/9681. —पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनाया गया है और उसमें भाज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सींपे गये भिष्ठकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती मोहरलों, विधवा श्री मंगत राम, गांव नौगांवा, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को ख़रीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहसं प्रदान करते हैं।

कमांक 391-ज-(II)-84/9687.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनाया गया है भीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमित घोघड़ी देवी, विधवा श्री ईन्छा राम, गांव जोन्धी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के प्रनुसार सहषं प्रदान करते हैं।

कर्माक 390-ज-(II)-84/9691.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रमुसार सौंपे गए भिष्ठकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री हरि सिंह, पुल श्री चन्दगी राम गांव खिडवाली तहसील व जिला रोहतक को रही, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपयें वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत की युद्ध खागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करतें हैं।